

आजादी का अमृत महोत्सव (India@75) कार्यक्रम के दौरान दिनांक 14.06.2021 को केन्द्रीय मृदा एवं सामग्री अनुसंधानशाला में "भारत की महिला स्वतंत्रता सेनानी" के विषय पर डॉ भारती चावरे, वैज्ञानिक 'सी' द्वारा ऑनलाइन भाषण दिया गया। [#आजादीकाअमृतमहोत्सव](#)

17. अक्कम्मा चेरियन(Accamma Cherian)

- 8 अगस्त 1942 को भारत छोड़ो आन्दोलन के उपरान्त उन्हें गिरफ़ताकर लिया गया और पुनः एक साल की कारावास की सजा सुनाई गई।
- 1947 में, आजादी के बाद, कंकिरपल्ली से त्रावणकोर विधानसभा के लिये अक्कम्मा चेरियन निर्विरोध चुनी गईं।
- अक्कम्मा चेरियन ने राज्य कांग्रेस पर लगे प्रतिबंध को रद्द कराने के लिए खादी की टोपी पहने और झंडे लेकर एक विशाल जन रैली का नेतृत्व किया।
- ब्रिटिश पुलिस प्रमुख ने अपने सिपाहियों से 20,000 से अधिक लोगों की इस रैली को Fire करने का आदेश दे दिया।
- अक्कम्मा चेरियन ने चिल्लाया, "मैं इस रैली की नेता हूँ; दूसरों को मारने से पहले भड़का लो भारत। उनके इन साहसिक शब्दों ने पुलिस अधिकारियों को अपना आदेश वापस लेने के लिए मजबूर किया।
- महात्मा गांधी ने उन्हें त्रावणकोर की झोसी रानी के रूप में सम्मानित किया।
- त्रावणकोर, भारतीय राज्य तमिलनाडु के कन्याकुमारी जिले में स्थित, छोटा पंचायत शहर है।



11. कल्पना दत्त (Kalpna Dutt)

जन्म: 27 जुलाई, 1913; मृत्यु: 8 फ़रवरी, 1995

- यह प्रसिद्ध भारतीय महिला क्रान्तिकारी थी जिन्होंने अंग्रेजी सरकार को भारत से मिटाने के लिए हिंसात्मक गतिविधियों का मार्ग अपनाया था।
- कल्पना दत्त अपना वेश बदलकर क्रान्तिकारियों को गोला-बारूद सप्लाई करती थी। उन्होंने निशाना लगाने का भी प्रशिक्षण लिया।
- कल्पना क्रान्तिकारी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए क्रान्तिकारी सूर्य सेन के संगठन से जुड़ी हुई थी।
- उन्होंने कोर्नोविरुद्ध नरसिंम शास्त्राचार को रूढ़ था।
- आजादी के बाद वे भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी में शामिल हो गईं। उन्हें 'वीर महिला' के सम्मान से भी नवाजा गया था।



Hari Dev
कल्पना दत्त के क्रान्तिकारियों के लिए काम करना था।

भारत की महिला स्वतंत्रता सेनानी Unsung Heroines by Dr. Bharti Chawre, Scientist 'C', IIRS-20210614-0515-1

